>

Title: Need to take measures to control flood caused by river Ghagra in Barabanki Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh and provide immediate relief to the affected people of the region.

श्री पन्ना लाल पुनिया (बाराबंकी): दो दिन पहले घाघरा नदी में तेज बहाव के कारण जनपद-बाराबंकी की रामनगर तहसील के ग्राम मांझा रामपुर, माझा परसावल, बेहटा, पारा, बांस गांव, अटवा, किचुली के पास स्थित बांध टूट गया है, जिससे यहां के हजारों किसान एवं मजदूर विपदा झेल रहे हैं। फसल तथा कृषि योग्य भूमि को नुकसान हुआ है, लोगों के घर पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। आर्थिक नुकसान तो अत्यधिक हुआ ही है, लेकिन अप्रत्यक्ष नुकसान के रूप में बाढ़ से क्षेत्रीय शिक्षा, चिकित्सा एवं अन्य विकास भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उत्तर प्रदेश से होकर देश की विभिन्न नदियां बहती हैं तथा पड़ोसी देश नेपाल द्वारा भी अतिवर्षा होने पर उत्तर प्रेदश से लगी सीमा पर पानी छोड़ दिया जाता है जिसके कारण प्रतिवर्ष उत्तर प्रदेश के बहुत से जनपदों को बाढ़ की मार झेलनी पड़ती है। मेरे लोक सभा क्षेत्र बाराबंकी में घाघरा नदी बहती है जिसका प्रवाह वर्षा काल में बहुत तेज हो जाता है, जिससे हर वर्ष राम नगर ब्लॉक के अलावा सूरतगंज तथा सिरोली गौसपुर ब्लाक के लाखों लोग प्रभावित होते हैं। इस नदी की चौड़ाई भी लगभग 6-7 कि.मी. है तथा यह सर्पनुमा आकार में बहती है जिसे कुछ जगहों पर अधिक फैलने से रोकने के लिए बन्धों का निर्माण किया गया है। नदी के आस-पास के क्षेत्र में गरीब किसान खेती करते हैं और पक्के/कच्चे मकान बनाकर रहते हैं।

मैं माननीय प्रधानमंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि बाढ़ पीड़ित क्षेत्र में तत्काल केन्द्रीय टीम भेजकर आवश्यक सभी सुविधाएं एवं मदद उपलब्ध कराई जाए और घाघरा नदी के बहाव क्षेत्र एवं उस पर बने सभी ब्रिज, बांध, बन्धों एवं रेलवे और ब्रिजों के रख-रखाव तथा अलाईनमेंटों का सर्वे भी किया जाए ताकि भविष्य में इस प्रकार की प्राकृतिक आपदा से आसानी से निपटा जा सके। घाघरा नदी के किनारे जहाँ-जहाँ आवश्यक हो पक्की ठोकर बनाई जाए तथा पक्के मजबूत बंधों का निर्माण कराया जाए ताकि इस प्रकार की घटनाएं घटित न हो।